

तासीर स्त्री. (अर.) प्रभाव, असर, गुण प्रयो. दही की तासीर ठंडी होती है।

तास्कर्य पुं. (तत्.) चोरी।

तास्थ्य पुं. (तत्.) एक वस्तु में दूसरी वस्तु की स्थिति का भाव।

तास्सुब पुं. (अर.) 1. धर्म संबंधी कट्टरपन 2. धार्मिक पक्षपात।

ताहम अव्य. (फा.) तो भी।

तिंतिड़ पुं. (तत्.) 1. इमली का पेड़ या फल 2. इमली की चटनी।

तिंतिड़िका स्त्री. (तत्.) 1. इमली 2. इमली की चटनी।

तिंतिड़ी स्त्री. (तत्.) इमली का पेड़ या फल।

तिंतिलिका स्त्री. (तत्.) दे. तिंतिड़िका।

तिंतिली स्त्री. (तत्.) दे. तिंतिड़ी।

तिंदिश पुं. (तत्.) टिंडसी, डेडसी, टिंडा।

तिंदु पुं. (तत्.) तेंदू का पेड़।

तिंदुक पुं. (तत्.) तेंदू का पेड़।

तिंदुकी स्त्री. (तत्.) तेंदू का पेड़।

तिंदुल पुं. (तत्.) तेंदू का पेड़।

तिआ स्त्री. (देश.) दे. तिया।

तिआह पुं. (तत्.) मृत्यु के पैंतालीसवें दिन किया जाने वाला श्राद्ध वि. (तद्.) जिसका तीसरा विवाह होने को हो।

तिउरा पुं. (देश.) खेसारी नाम का कदंब।

तिकड़म स्त्री. (तद्.) 1. चाल, षडयंत्र 2. उपाय, तरकीब।

तिकड़मबाज वि. (देश.) दे. तिकड़मी।

तिकड़मी वि. (देश.) 1. तिकड़म बाज, चालाक 2. तिकड़म करने वाला 3. धोखेबाज, धूर्त।

तिकड़ी स्त्री. (देश.) 1. तीन कड़ियों वाली 2. ऐसी चारपाई जिसमें तीन रस्सियाँ एक साथ हों।

तिकोन वि. (तद्.) दे. तिकोना पुं. (तत्.) त्रिकोण।

तिकोना वि. (तद्.) जिसमें तीन कोने हो पुं. (तद्.) समोसा 2. तिकोनी नक्काशी बनाने की छेनी।

तिकोनिया स्त्री. (तद्.) तीन कोनो वाला स्थान।

तिककी स्त्री. (तद्.) ताश या गंजीफे के खेल का पत्ता जिस पर तीन बूटियाँ हो।

तिक्ख वि. (तद्.) 1. तीखा 2. चालाक 3. तीव्र बुद्धि वि. (देश.) तिरछा, टेढ़ा।

तिक्खे क्रि.वि. (तद्.) तिरछे।

तिक्त वि. (तत्.) 1. चटपटा 2. तीखा 3. तीता 4. कड़ुआ पुं. 1. सुगंध 2. पित्त पापड़ा 3. वरुण वृक्ष 4. कुटज।

तिक्तक पुं. (तत्.) 1. परवल 2. चिरायता 3. काला खैर 4. नीम 5. कुटज 6. तिक्त रस वि. तीता।

तिक्तता स्त्री. (तत्.) 1. कड़ुआपन 2. तीतापन 3. चटपटापन।

तिक्त धातु स्त्री. (तत्.) पित्त।

तिक्तांगा स्त्री. (तत्.) पाताल गरुड़ी लता।

तिक्ता स्त्री. (तत्.) 1. कुटकी 2. पाठा 3. यवतिक्ता लता 4. खरबूजा।

तिक्तिका स्त्री. (तत्.) 1. तितलौकी 2. कुटकी।

तिक्तरि स्त्री. (तत्.) तूमड़ी नामक बाजा, जिसे सपेरे बजाते हैं।

तिग्म वि. (तद्.) तीक्ष्ण, तेज, प्रचंड पुं. (तत्.) 1. वज्र 2. पिप्पली 3. ताप 4. तीक्ष्णता, तीखापन।

तिगलिया पुं. (देश.) तिराहा, जहाँ तीन रास्ते निकलते हैं।

तिगुना वि. (तद्.) तीन गुना।

तिग्म वि. (तत्.) तीक्ष्ण, तेज, प्रचंड पुं. 1. वज्र 2. पिप्पली 3. ताप 4. तीक्ष्णता, तीखापन।

तिग्मकर पुं. (तत्.) सूर्य।

तिग्मतेज पुं. (तत्.) सूर्य।